You downloaded this paper from cbse.biz

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2

कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'ब')

समयः 3 घंटे पूर्णांक - 100

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	20
1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः**	12
	ईश्वर के प्रति आस्था वास्तव में जन्मजात न होकर सामान्यतः हमारे घर-परिवार और परिवेश से हमें संस्कारों के रूप में मिलती है और ज्यादातर लोग बचपन में इसे बिना कोई प्रश्न किये ही ग्रहण करते हैं। हमें छह में से सिर्फ एक व्यक्ति ऐसा मिला जिसका कहना है कि वह बचपन से ही ईश्वर के अस्तित्व के प्रति संदेहशील हो चला था, लेकिन पांच ने कहा कि उनके साथ ऐसी स्थिति नहीं थी। जिस व्यक्ति ने यह कहा कि बचन से ही उसने ईश्वर के बारे में अपने संदेह प्रकट करने शुरू कर दिये थे, उसका कहना था कि ऐसा उसने शायद अपने आसपास के जीवन में सामाजिक विसंगतियाँ देखकर किया होगा, क्योंकि उसके सवालों के स्रोत यही थे। एक तरफ उसने पाया कि धार्मिक पुस्तकें और धार्मिक लोगों के कथनों से कुछ और बात निकलती है, लेकिन जो आसपास के वातावरण में उन्हें देखने को मिलता है तथा ये धार्मिक लोग स्वयं जो व्यवहार करते हैं वह कुछ और है, लेकिन बाकी पांच ने सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों और ईश्वर के प्रति आस्था में अंतर्संबंध पहले नहीं देखे थे। जिन लोगों ने ईश्वर में आस्था बाद में खो दी, उन्होंने माना कि इसका मूल कारण उनका पुस्तकों से बचपन से ही संपर्क में आना रहा है। बाद में निरीश्वरवादी विचारों तथा नास्तिकों के संपर्क में आने से ईश्वर के प्रति उनकी आस्था मजबूत हुई, उसे एक निश्चित दिशा मिली। वे नहीं मानते कि उनके इस जीवन में बाद में कभी ऐसा कोई समय भी आ सकता है, जब वे ईश्वर की तरफ पुनः लौटने की बाध्यता महसूस करेंगे, हालांकि वे स्वीकार करते हैं कि उन्होंने ऐसे लोगों को भी देखा है, जो अपने युवाकाल में घनघोर नास्तिक थे, मगर जीवन के अंतिम दौर तक आकर घनघोर आस्तिक बन गये। आस्तिकों का कहना है कि ईश्वर के विरूद्ध कोई कितने ही मजबूत तर्क पेश करे, उनकी ईश्वर में आस्था कभी कमजोर नहीं पड़ेगी। तर्क वे सुन लेंगे, लेकिन ईश्वर नहीं है, इस बात को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेंगे। उनका मानना है कि तर्क से ईश्वर को पाया नहीं जा सकता, वह तो तर्कातीत है। दूसरी तरफ जिन्होंने ईश्वर में अपनी आस्था खो दी है, उनका कहना है कि उन्होंने अपनी नवअर्जित नास्तिकता के कारण अपने परिवार और समाज में अकेला पड़ जाने	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	का खतरा भी उठाया है लेकिन धीरे-धीरे अपने परिवार में उन्होंने ऐसी स्थिति पैदा कर ली है कि उन्हें इस रूप में स्वीकार किया जाने लगा है।	
	यह पाया गया कि ईश्वर में व्यक्ति की आस्था को कायम रखने के लिए तमाम तरह का संस्थागत समर्थन निरंतर मिलता रहता है, जबकि इसके विपरीत स्थिति नहीं है। वे संस्थाएँ भी ईश्वर और धर्म के प्रति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आस्था पैदा और मजबूत करने की कोशिश करती हैं, जिनका कि प्रत्यक्ष रूप से धर्म से कोई संबंध नहीं है। जैसे परिवार, पास-पड़ोस, स्कूल, अदालतें, काम की जगहें आदि। एक साथी ने बताया कि वे एक ऐसे कालेज में काम करते थे, जहां रोज सुबह ईश्वर की प्रार्थना गाई जाती है, जिससे छात्र-छात्राएं तो किसी तरह बच भी सकते हैं, लेकिर अध्यापक नहीं, अगर वे बचने की कोशिश करते हैं, तो उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है।	
	1. ईश्वर के प्रति आस्था हम कहाँ से ग्रहण करते हैं?	1
	2. छह में से एक व्यक्ति के ईश्वर के प्रति संदेहशील हो उठने का क्या कारण था।	1
	3. ईश्वर के प्रति आस्था खो देने का क्या कारण था?	1
	4. आस्तिकों का क्या कहना है?	1
	5. नास्तिक हो जाने से व्यक्ति क्या हानि उठता है?	1
	6. ऐसे कौन से स्थान या संस्थाएँ हैं जो आपकी दृष्टि में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ईश्वर में आस्था पैदा कर सकती है?	1
	7. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।	1
	8. 'इक' प्रत्यक्ष से अनुच्छेद-1 में से दो शब्द छाँटिए।	1
	9. दिए गए शब्दों के समानार्थी गद्यांश-2 में से छांटिए - दशा, जोखिम।	1
	10. दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए - आस्था, परोक्ष।	1
	11. 'ईश्वर' और 'घर' के दो-दो पर्यायवाची लिखिए।	2
प्र.2	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें -**	8
	चौड़ी सड़क गली पतली थी दिन का समय घनी बदली थी रामदास उस दिन उदास था	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	अन्त समय आ गया पास था उसे बता यह दिया गया था उसकी हत्या होगी। धीरे-धीरे चला अकेले सोचा साथ किसी को ले ले फिर रह गया, सड़क पर सब थे सभी मौन थे सही निहत्थे सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी। खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर दोनों हाथ पेट पर रख कर सधे कदम रख करके आए लोग सिमट कर आँख गड़ाए लगे देखने उसको जिसकी तय था हत्या होगी। निकल गली से तब हत्यारा आया उसने नाम पुकारा हाथ तौलकर चाकू मारा छूटा लोहू का फव्वारा कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी? (रघुवीर सहाय संचयिता) संपादक - कृष्ण कुमार प्रश्न-पत्रक	
	(i) प्रस्तुत कविता का उचित शीर्षक दीजिए।	1
	(ii) रामदास के उदासी का क्या कारण था?	1
	(iii) रामदास की हत्या के समय का वर्णन किन काव्य-पंक्तियों में किया गया है?	1
	(iv) रामदास अपने साथ किसी को लेते-लेते क्यों रुक गया।	1
	(v) सड़क पर हत्या होने से क्या मतलब है?	1
	(vi) 'आँख गड़ाए' शब्द का अर्थ बताइए तथा संबंधित मुहावरे को पुनः लिखें।	1
	(vii) जनता के सामने एक आम आदमी की हत्या किस बात की सूचक है?	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	अथवा	
1.	सतपुड़ा के घने जंगल नींद में डूबे हुए से ऊँघते अनमने जंगल।	
2.	झाड़ ऊँचे और नीचे चुप खड़े हैं आँख मींचे; घास चुप है, काश चुप है मूक शाल, पलाश चुप है; बन सके तो धँसो इनमें, धँस न पाती हवा जिनमें, सतपुड़ा के घने जंगल नींद में डूबे हुए से ऊँघते, अनमने जंगल!	
3.	सड़े पत्ते, गले पत्ते हरे पत्ते, जले पत्ते वन्य पथ को ढक रहे - से चंपक दल में पले पत्ते, चलो इन पर चल सको तो दलो इनको दल सको तो ये घिनौने-घने जंगल, नींद में डूबे हुए से ऊँघते, अनमने जंगल!	
4.	अटपटी उलझी लताएँ डालियों को खींच लाएँ, पैर को पकड़ें अचानक, प्राण को कस लें कँपाएँ, साँप-सी काली लताएँ, बला की पाली लताएँ, लताओं के बने जंगल, नींद में डूब हुए से ऊँघते अनमने जंगल। (साभार - भवानीप्रसाद संचयिता, सं. प्रभाव त्रिपाठी)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	प्रश्न-पत्रक	
	(i) प्रस्तुत कविता का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(ii) सतपुड़ा के जंगल के अनमने होने के दो क्या कारण हैं?	1
	(iii) 'धँस न पाती हवा' का क्या अर्थ है और यह किसका प्रतीक है?	1
	(iv) लताओं की तुलना किससे और क्यों की गई है?	1
	(v) जंगल को घिनौना क्यों कहा गया है?दो कारण बताइए।	1
	(vi) 'घिनौने जंगल से संबंधित पंक्ति का उल्लेख कीजिए।	1
	(vii) 'नींद में डूबे हुए से' के बार-बार प्रयोग का क्या अर्थ है?	2
	खड - ख	**10**
3.	**सर्व शिक्षा अभियान के प्रोत्साहन हेतु विद्यालय में रात्रि कालीन प्रौढ़ शिक्षा की व्यवस्था करवाने की अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।**	
	या	
	झुग्गी झोपड़ी बस्ती में सामान्य सुविधाओं को जुटाने की प्रार्थना करते हुए दिल्ली नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए।	5
4.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-**	
क.	**सपने में चाँद की यात्रा**	
	(i) भूमिका (ii) सपने में चाँद पर जाना (iii) चाँद पर पहुँचने के बाद के अनुभव (iv) स्वप्न-भंग के पश्चात् की स्थिति एवं अनुभव	
ख.	**ग्लोबल वार्मिंग के खतरे**	
	(i) ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ (ii) ग्लोबल वार्मिंग के खतरे (iii) उनके प्रभाव (iv) बचाव हेतु उपाय	
ग.	**मेरा मनपसंद रियलटी शो**	
	(i) रियलटी शोज़ का अर्थ (ii) विविध प्रकार के शोज़ के नाम (iii) मनपसंद शो का नाम (iv) शो की विशेषताएं एवं प्रस्तुति	5

प्र.सं.	प्रश्न		अंक
		खंड - ग	**20**
5.	**निम्नलिखित वाक्य से पदबंध छाँट कर लिखिए -**		
	क.	सफेद घोड़े पर बैठा हुआ सैनिक साहसी है।	1
	ख.	दो पदबंधों के नाम लिखकर उदाहरण दीजिए।	2
	ग.	रेखांकित का पद-परिचय दीजिए - शाहजहां ने <u>ताजमहल</u> बनवाया था।	1
6.	**क.**	**रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए -**	
		(i) राधा बाजार गई और खादी की साड़ी खरीद लाई।	1
		(ii) जब अध्यापक आएंगे तब हम पढ़ेंगे।	1
	ख.	**निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए -**	**2**
		(i) जेसे ही मैं घर से निकला वैसे ही बड़े ज़ोरों की आँधी चलने लगी। (संयुक्त वाक्य)	
		(ii) लोग टोलियाँ बना कर मैदान की ओर चलने लगे। (मिश्र वाक्य)	
7.	**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -**		
	(i)	परीक्षा + अर्थी, चन्द्र + उदय (संधि कीजिए।	1
	(ii)	सदैव, सप्तर्षि (संधि-विच्छेद कीजिए)	1
	(iii)	पथभ्रष्ट (विग्रह करके समास का नाम बताइए)	1
	(iv)	हमारा राष्ट्रीय ध्वज <u>तिरंगा</u> है। (रेखांकित पद के समास का नाम बताइए)	1
8.	**क.**	**निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उचित लोकोक्ति लगाकर कीजिए -**	2
	(i)	एक बार अतुल झूठ बोलकर पैसे उधार ले गया, अब मैं उसकी चाल में आने वाला नहीं। वह जानता नहीं	
	(ii)	जब तक तुम उस नालायक की खिंचाई नहीं करेगा, वह सच बताने वाला नहीं क्योंकि	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	ख. स्तंभ 'क' में दिए हुए मुहावरों को स्तंभ 'ख' में दिए हुए मुहावरो से मिलाइए -	**2**
	स्तंभ 'क' — स्तंभ 'ख'	
	(i) रंग में भंग डालना — (i) छोटी बात को बहुत अधिक बढ़ाना	
	(ii) सिर पर खून सवार होना — (ii) संदेह होना	
	(iii) राई का पहाड़ बनाना — (iii) जान लेने पर उतारू होना	
	(iv) दाल में काला होना — (iv) खुशी में बाधा डालना	
9.	**निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए -**	**4**
	क. उन सबों ने क्रिकेट मैच जीत लिया।	
	ख. दस आदमी ने नाव से नदी पार किया	
	ग. आपका दर्शन पाना कठिन है।	
	घ. सरदार भगतसिंह ने फाँसी पर चढ़ना पड़ा।	
	खंड 'घ'	**50**
10.	**निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	**6**
	विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी, मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी। हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे वृथा जिए, मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए। वही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।	
	1. कवि तथा कविता का नाम लिखिए।	1
	2. कवि के अनुसार कैसा व्यक्ति मरकर भी अमर हो जाता है?	1
	3. 'पशु-प्रवृत्ति' से क्या तात्पर्य है?	2
	4. कवि ने किस प्रकार के मनुष्यों को मनुष्यता के लक्षणों से परे माना है?	1
	5. 'मर्त्य' किसे कहा गया है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	अथवा कहलाने एकत बसत अहि, मयूर, मृग, बाघ। जगतु तपोबन सौ कियौ, दीरघ दाघ-निदाघ। बैठि रही अति सघन बन पैठि सदन-तन माँह। देखि दुपहरी जेठ की, छाँहों चाहति छाँह।।	
क.	प्रस्तुत दोहों मे ंकवि बिहारी ने किस ऋतु का वर्णन किया है?	1
ख.	विरोधी स्वभाव वाले जानवर कौन-कौन से हैं?किन परिस्थितियों के कारण वे एक साथ रहने को बाध्य है? स्पष्ट करें।	1
ग.	तपोवन की क्या विशेषता होती है।	1
घ.	दूसरों को शीतलता देने वाली छाया स्वयं छाँव ढूँढने के लिए क्यों विवश है? स्पष्ट कीजिए।	2
ङ	प्रस्तुत दोहे किस भाषा में लिखे गए हैं?	1
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3+3+3)**	**9**
	1. कबीर के दोहों को साखी कहा जाता है। क्यों?	
	2. विरासत में मिली चीजों की सँभाल करने के पीछे क्या उद्देश्य है?	
	3. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप सौन्दर्य का वर्णन कैसे किया है?	
	4. गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं?	
12.	**क. 'कर चले हम फ़िदा' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।**	**3**
	ख. 'आत्मत्राण' कविता की प्रार्थना अन्य प्रार्थना गीतों से अलग कैसे है?	**2**
13.	**निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	**6**
	बड़े बाजार के प्राय: सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था और कई मकान तो ऐसे सजाए गए थे कि ऐसा मालूम होता था कि मानो स्वतन्त्रता मिल गई हो। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे, उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुड़सवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रेफिक पुलिस नहीं थी, सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था। बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था।	
1.	पाठ तथा लेखक का नाम बताइए।	1
2.	रास्तों पर उत्साह व नवीनता के कारणों को स्पष्ट करें।	2
3.	पुलिस की गतिविधियाँ कैसी थीं?	2
4.	पार्कों और मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही क्यों घेर लिया था?	1
	अथवा	
	आज न तताँरा है न वामीरो किन्तु उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है। निकोबारियों का मत है कि तताँरा की तलवार ने कार निकोबार के जो टुकड़े हुए उसमें दूसरा लिटिल अंदमान है जो कार-निकोबार से आज 96 कि.मी. दूर स्थित है। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे। तताँरा वामीरों की त्यागमयी मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी।	
1.	तताँरा-वामीरो की प्रेमकथा को आज भी उस द्वीप के निवासी गर्व और श्रद्धा के साथ क्यों याद करते हैं?	2
2.	निकोबारियों का लिटिल अंदमान के विषय में क्या कहना है?	2
3.	तताँरा - वामीरो की मृत्यु को त्यागमयी क्यों कहा गया है?	2
14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 3+3+3	9
	1. 'तीसरी कसम' के आलोक में कलाकार के दायित्व को स्पष्ट करें।	
	2. 'गिरगिट' कैसे व्यक्तियों का कहा जा सकता है?	
	3. क्या आपकी माँ भी लेखक की माँ की तरह कुछ कामों को करने से मना करती है? वे कौन-कौन से काम हैं?	
	4. लेखक ने जापानियों के दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगने की बात क्यों कही है?	
15.	**क. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्वपूर्ण कहा है?**	**3**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	ख. ''दरअसल इस फिल्म की संवदेना किसी दो से चार बनाने वाले की समझ से परे है।'' आशय स्पष्ट करें।	2
16.	**'अम्मी' शब्द सुनकर टोपी के घर वालों की क्या प्रतिक्रिया हुई? क्या आप उससे सहमत हैं? तर्क दीजिए।**	**4**
	या	
	समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर बताइए।	
17.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** **(3x2)**	**6**
	क. लेखक के जीवन में ननिहाल की कौन-कौन सी यादें सिमटी हुई थीं? 'सपने के से दिन' पाठ के आधार पर बताइए।	
	ख. इफ्फन की दादी को ससुराल और पीहर में क्या-क्या अन्तर दिखाई दिए? (पाठ-टोपी शुक्ला)	
	ग. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं?कहानी के आधार पर बताइए।	
	घ. यदि आप टोपी शुक्ला होते तो शिक्षा व्यवस्था में कौन-कौन से दो बदलाव चाहते।	

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2
कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'ब')

समय: 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	
1	1. ईश्वर के प्रति हम आस्था घर-परिवार, परिवेश से संस्कारों के रूप में गहण करते हैं।	1
	2. छह में से एक व्यक्ति ऐसा मिला जिसका कहना है कि वह बचपन से ही ईश्वर के अस्तित्व के प्रति संदेहशील हो चला था।	1
	3. ईश्वर के प्रति आस्था खोने का कारण निरीश्वरवादी विचारों तथा नास्तिकों के संपर्क में आना था।	1
	4. आस्तिकों का कहना है कि ईश्वर के विरुद्ध कोई कितने ही मजबूत तर्क पेश करे, उनकी ईश्वर में आस्था कभी कमजोर नहीं पड़ेगी।	1
	5. नास्तिक व्यक्ति परिवार और समाज में अकेले पड़ जाने की हानि उठता है।	1
	6. परिवार, पास-पड़ोस, स्कूल अदालतें, काम करने के स्थान आदि ऐसे स्थान है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ईश्वर में आस्था पैदा कर सकते हैं।	1
	7. शीर्षक - ईश्वर के प्रति आस्था / आस्था और अनास्था का प्रश्न।	1
	8. इक - आर्थिक, धार्मिक (अनुच्छेद - 1)	1
	9. दशा - हालत, जोखिम - खतरा (अनुच्छेद 2)	1
	10. अनास्था, प्रत्यक्ष	1
	11. हरि, प्रभु / आलय, सदन।	2
	उत्तर-पत्रक	
	(i) 'रामदास' (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी मान्य)	1
	(ii) अपनी हत्या की जानकारी होने तथा किसी अन्य द्वारा कोई मदद न मिलने के कारण।	1

प्र.सं.	प्रश्न		अंक
	(iii)	चौड़ी सड़क गली पतली थी, दिन का समय धनी बदली थी।	1
	(iv)	उसके साथ कोई चलने के लिए शायद तैयार नहीं होता।	1
	(v)	सड़क पर हत्या होने का अर्थ सबके सामने हत्या होना है। आम आदमी की असुरक्षा का बोध है।	1
	(vi)	आँख गड़ाना - बहुत ध्यान से देखना।	1
	(vii)	शासन और सत्ता की असफलता, आम आदमी का अकेलापन, भीड़ में असहाय होना, जनता की नपुंसकता का परिचायक है।	2
		अथवा	
	(i)	सतपुड़ा के जंगल (भाव सहित कोई अन्य)	1
	(ii)	ऊँघने और नींद में होने के कारण जंगल अनमने हैं।	1
	(iii)	जंगल के घने होने के कारण हवा भी उसमें प्रवेश नहीं कर पाती। 'घने जंगल' - कठिन परिस्थितियों का प्रतीक है।	1
	(iv)	लताओं की तुलना साँप से की गई है। झाड़-झंखार तथा लताओं से बने घने जंगल भयावह हैं।	1
	(v)	सड़े-गले पत्तों के कारण तथा पंक में सने होने के कारण।	1
	(vi)	ये घिनौने घने जंगल नींद में डूबे हुए से ऊँघते अनमने जंगल।	1
	(vii)	जंगल की भयावहता, अंधेरा तथा घने होने के कारण।	2
		खंड ख	
3.	क.	आरंभिक एवं समापन औपचारिकताएं	1
	ख.	विषय वस्तु	3
	ग.	भाषीय शुद्धता	1

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
4.	क.	विषय वस्तु	2
	ख.	अभिव्यक्ति	2
	ग.	भाषीय शुद्धता	1
		खंड 'ग'	
5.	क.	सफेद घोड़े पर बैठा हुआ या सफेद घोड़े पर बैठा हुआ सैनिक।	1
	ख.	किन्हीं दो पदबंधो और उनके उपयुक्त उदाहरण।	2
	ग.	संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, एक वचन, पुलिंग, कर्मकारक।	1
6.	क.	(i) संयुक्त वाक्य	
		(ii) मिश्र वाक्य	2
	ख.	(i) मैं घर से निकला और जोरों की आंधी चलने लगी।	
		(ii) जैसे ही लोगों ने टोलियाँ बनाइ, वे मैदान की ओर जाने लगे।	2
		या	
		जब लोगों ने टोलियाँ बनाई तब वे मैदान की ओर जाने लगे।	
7.	क.	परीक्षार्थी, चंद्रोदय	1
	ख.	सदा+एव, सप्त+ऋषि	1
	ग.	पथ से भ्रष्ट - अपादान तत्पुरुष	1
	घ.	बहुव्रीहि समास	1
8.	क.	(i) काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती	2
		(ii) लातों के भूत बातों से नहीं मानते।	
	ख.	(i) रंग में भंग डालना = खुशी में बाधा डालना	2
		(ii) सिर पर खून सवार होना = जान लेने के लिए उतारू होना।	
		(iii) राई का पहाड़ बनाना = छोटी बात को बहुत अधिक बढ़ाना।	
		(iv) दाल में काला होना = संदेह होना।	

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
9.	क.	इन सब ने मैच जीत लिया।	1
	ख.	दस आदमियों ने नाव से नदी पार की।	1
	ग.	आपके दर्शन पाना कठिन है।	1
	घ.	सरदार भगतसिंह को फाँसी पर चढ़ना पड़ा।	1
10.	1.	कवि - मैथिलीशरण गुप्त	1
		कविता - मनुष्यता	
	2.	शरीर नश्वर है किन्तु दूसरों के लिए हितकर कार्य करके व अपना जीवन नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की भलाई में लगाने वाला व्यक्ति मरकर भी अमर हो जाता है।	1
	3.	'पशु-प्रवृति' यानि पशु जैसा स्वभाव। जिस प्रकार पशु चरागाह में अपने अपने हिस्से का चर आते हैं, इसी प्रकार जो मनुष्य केवल अपने बारे में ही सोचते हैं वे स्वार्थी होते हैं। ऐसे ही लोगों को पशु-प्रवृत्ति वाला माना जाता है।	2
	4.	केवल अपनों के लिए जीने-मरने वाले मनुष्यता के लक्षणों से परे हैं। वास्तव में मनुष्य वही है जो दूसरों के हिताहित का भी ध्यान रखते हैं।	1
	5.	'मर्त्य' का अर्थ है - मरणशील। यह संसार क्षणभंगुर है। अत: मनुष्य भी नश्वर है। इस पद्य में मनुष्य को ही मर्त्य कहा गया है।	1
		अथवा	
	क.	ग्रीष्म ऋतु/ज्येष्ठ मास की प्रचंड धूप का वर्णन है।	1
	ख.	सांप, मोर, हिरण और बाघ। गर्मी के कारण वे सभी छाँव ढूँढ रहे हैं तथा एक जगह प्रेम-भाव से रहने पर बाध्य है।	1
	ग.	तपोवन में ऋषि मुनि रहते हैं। वहाँ प्रेम, शांति व अहिंसा का वातावरण होता है।	1
	घ.	छाया स्वयं जंगल में या फिर वृक्षों के तने रुपी भवनों में छाँव ढूँढती है।	
		ग्रीष्म ऋतु में प्रंचड गर्मी पड़ रही है जिसके कारण छाया को भी छाँव की आवश्यकता पड़ती है।	2
	ङ	प्रस्तुत दोहे मानक ब्रज भाषा में लिखे गए हैं।	1
11.	1.	'साक्षी' शब्द साक्ष्य से बना है। जिसका अर्थ है - प्रत्यक्ष ज्ञान। यह प्रत्यक्ष ज्ञान गुरु	

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
		शिष्य को प्रदान करता है। कबीर ने भी जगह-हगह भ्रमण कर प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया, जो उन्होंने दोहों के माध्यम से आम लोगों तक पहुँचाया।	3
	2.	विरासत में मिली चीजें देश व समाज की परम्परा या इतिहास से जुड़ी होती हैं। ये इतिहास की सच्चाइयों को नई पीढ़ी के सामने रखती है।गलतियों से सीख मिलती है व अच्छाइयों का मान होता है।	3
	3.	मीरा के प्रभु श्याम सलोने हैं। उन्होंने पीले रंग के वस्त्र पहने हैं तथा माथे पर मोर का पंख मुकुट की भाँति सजा रखा है। गले में वैजंती माला सुशोभित है तथा ओठों पर अमृत वर्षा करने वाली मुरली सुशोभित है।	3
	4.	गीत गीतकार के हृदय की आवाज होती है, जो आम आदमी के मन में समा, अपना स्थान बना लेती है। गीत मन को झकझोर कर यह प्रतीति करा देते हैं कि वह केवल गीतकार की ही नहीं जन-जन के हृदय की आवाज है। ऐसे हृदय स्पर्शी गीत जीवनभर याद रह जाते हैं।	3
12.	क.	देश भक्ति की भावना में डूबी इस कविता में कवि अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सैनिक के हृदय की आवाज़ बयान करता है, जिन्हें अपने किए-धरे पर नाज़ है। साथ ही वे देशवासियों से त्याग और बलिदान की इस परम्परा को कायम रखने की अपेक्षा रखते हैं। 3	
	ख.	अन्य प्रार्थना गीतों में सीधे ही ईश्वर से दुखों को दूर करने की बात कही जाती है। सुख-समृद्धि व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है किन्तु इस गीत में कवि यह बिलकुल नहीं चाहते कि ईश्वर उन्हें सब कुछ दे दे। कवि कर्म करना चाहता है वह ईश्वर से संघर्ष करने की हिम्मत माँगता है। वह सहारा बनने को नहीं बल्कि प्रेरक बनने की प्रार्थना करता है।	2
13.	1.	पाठ = डायरी का एक पन्ना लेखक = सीताराम केसरिया	1
	2.	कलकत्ता में दूसरा स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह से मनाया। मकानों पर राष्ट्रीय झण्डे लगाए गए व इस तरह सजाया गया मानो स्वतंत्रता मिल ही गई हो इसी कारण लोगों में नवीनता तथा जोश भरा हुआ था। वे देश के लिए मानो मर मिटने को तैयार थे।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	3. पुलिस अपनी पूरी ताकत से पूरे शहर पर नज़्रे रखे हुए थी। गोरखे व सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। ट्रेफिक पुलिस को भी इसी काम में लगा दिया गया था। लारियों में बैठी पुलिस चौकस थी।	2
	4. पुलिस को डर था कि पार्कों और मैदानों में जनसाधारण एकत्रित न हो जाए किसी सभा का आयोजन कर कानून भंग करने में सफल न हो जाए।	1
	अथवा	
	1. ततँारा और वामीरो ने समाज के लिए अपने प्रेम का, अपने जीवन तक का बलिदान कर दिया था। तत्कालीन समाज के सामने एक मिसाल कायम करने के कारण उस द्वीप के निवासी उन्हें गर्व और श्रद्धा के साथ याद करते हैं।	2
	2. निकोबारियों का कहना है कि ततँारा की तलवार से कार-निकोबार के जो टुकड़े हुए, उसमे दूसरा लिटिल अंदमान है जो कार निकोबार से आज 96 किमी दूर है।	2
	3. ततँारा वामीरो ने अपने द्वीप, जहाँ विद्वेष अपनी गहरी जड़ें जमा चुका था। उस विद्वेष को जड़-मूल से उखाड़ने के लिए अपना आत्मबलिदान दिया था। इसलिए उनकी मृत्यु को त्यागमयी कहा है।	2
14.	1. दर्शकों की रुचि की आड़ में कलाकार को उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए। कलाकार का कर्तव्य है कि वह दर्शकों, उपभोक्ताओं की रूचियों को सँवारे, उनका परिष्कार करें, और उन्हें स्तरीय व नीति सम्बन्धी फिल्में ही दिखाएँ।	3
	2. आचुमेलॉव जैसे व्यक्तियों को गिरगिट कहा जा सकता है। वह गिरगिट की तरह अपना रंग बदलता रहता है। जब तक उसे पता नहीं था कि कुत्ता जनरल साहब का है या उनके भाई का है वह कुत्ते और उसके मालिक को कड़ी सजा दिलवाने की बात करता है किन्तु कुत्ते की सच्चाई का पता चलते ही वह अपने रंग-ढंग तुरंत बदल लेता है।	3
	3. हाँ, जैसे - बुरी संगत से बचो, झूठ मत बोलो, चोरी मत करो, 'कम्प्यूटर-गेम्स' ज्यादा मत खेलो, 'समय व्यर्थ न गँवाओ आदि। (अन्य भी स्वीकार्य हों।)	3
	4. अमरीका से प्रतिस्पर्धा की होड़ में जापानी कम समय में अधिक काम करके जल्दी से जल्दी ऊँचाइयों को छूना चाहते हैं। वे महीनों का काम एक दिन में समाप्त करना चाहते हैं। इसलिए उनके दिमाग में 'स्पीड का इंजन' लगने की बात कही है।	3

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
15.	क. बड़े भाई साहब ज़िन्दगी के अनुभव को अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। सफल जीवन जीने के लिए अनुभव की आवश्यकता होती है। (लेखक की माँ, उनके दादाजी या हेडमास्टर साहब की बूढ़ी माँ का उदाहरण देकर छात्र स्पष्ट करें) 1+2	3
	ख. आजकल निर्माताओं द्वारा फिल्में पैसा कमाने के लिए बनाई जाती हैं परन्तु 'तीसरी कसम' फिल्म पैसा तथा यश कमाने के लिए नहीं अपितु आत्म संतुष्टि के लिए बनाई गई थी।	2
	16. वे स्तब्ध, विस्मित हुए। सुभद्रादेवी खाने की मेज़ से उठ गई और रामदुलारी ने टोपी को खूब मारा। उन्हें अपनी परम्परा की दीवार डोलती दिखाई पड़ी। (सहमत हैं या नहीं हैं छात्रों के विचार स्वीकार्य हों)	4
	या	
	मनुष्य सामाजिक प्राणी – कई आधारों पर संबंध। कुछ संबंध स्थायी, कुछ अस्थायी। भावात्मक संबंध अहमियत रखने वाले जबकि स्वार्थ भावना पर आधारित आर्थिक सम्बन्ध अस्थायी। आज भावात्मक संबंध विलुप्त। जैसे हरिहर काका के भाईयों द्वारा विश्वासघात, दुर्व्यवहार, बाहरी सेवा का दिखावा एवं महंतो द्वारा अमानवीय आचरण इस बात का प्रमाण।	4
17.	क. हर साल माँ के साथ छुट्टियों में ननिहाल जाना। नानी द्वारा दूध-दही, मक्खन खिलाना, प्यार करना, दोपहर तक तालाब पर नहाना और पश्चात् इच्छानुसार खाना। लेखक के खाने एवं बोलने की नकल पोतों को करने के लिए नानी द्वारा कहने – जैसी यादें सिमटी हुई थीं।	2
	ख. (i) ज़मींदार की बेटी पर, मौलवी घर में ब्याही थी। (ii) पीहर में दूध घी खाती थी पर ससुराल में इन चीजों को तरस गईं। (iii) पीहर में स्वतंत्र अनुभव करतीं पर ससुराल में उनकी आत्मा बेचैन रहती। (iv) पीहर की पूरबी भाषा सुनने-समझने वाला कोई नहीं, ससुराल में उर्दू भाषा का प्रयोग (कोई दो बिन्दु स्वीकार्य हो)	2
	ग. अनपढ़ होने पर भी जीवन के अनुभव और व्याहारिक ज्ञान पर व्यापक जानकारी के कारण उन्हें संबधों के विषय में व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त थे और अब उन्हें मृत्यु का इतना डर न था जितना धोखे और विश्वासघात का।	2
	घ. (i) शिक्षा (परीक्षा) प्रणाली में परिवर्तन चाहते	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(ii) विशेष सहायता या मार्ग–दर्शन चाहते	2
	(iii) शिक्षा पद्धति में प्रेम, सहानुभूति और प्रेरणा को स्थान देना चाहते (शिक्षकों के माध्यम से)	2
	(iv) शिक्षा स्तर में सुधार हेतु उपयुक्त अवसर और सुविधा जुटाने का प्रयास चाहते।	2

You downloaded this paper from cbse.biz